हिमाचल अभी अभी

Himachal ABHI ABHI

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 9 अंक 47 कांगड़ा। शनिवार, 20 अप्रैल-26 अप्रैल, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 08 वैशाख, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

सम्मान निधि के लिए वेलफेयर ऑफिस में फॉर्म जमा कर सकती हैं महिलाएं -पढ़ें पेज 2 पर

ॐ हनुमते नमः

अंजनी पुत्र हनुमान भगवान भोलेनाथ के रुद्र अवतार हैं। हनुमान जी की माता सीता ने अमरता का वरदान दिया था, इसलिए कलियुग में हनुमान जी ऐसे देवता हैं, जो आज भी जीवित हैं। जो सच्चे मन से इनका सुमिरन करता है ये उसकी सारी चिंताएं हर लेते हैं। हनुमान जी राम भक्त हैं और इन्हें संकट मोचन भी कहा जाता है। हर साल चैत्र पूर्णिमा पर हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस बार 23 अप्रैल 2024 को हनुमान जयंती बहुत खास मानी जा रही है, क्योंकि इस दिन कई शुभ योग का संयोग बन रहा है, इस दौरान बजरंगबली की पूजा का दोगुना फल प्राप्त होगा। पौराणिक कथा के अनुसार हनुमान जी का जन्म मंगलवार को हुआ था, इसलिए बजरंगी की पूजा का इस दिन विशेष महत्व है। यही वजह है कि इस बार हनुमान जन्मोत्सव का महत्व और भी बढ़ गया है। इसके साथ ही हनुमान जयंती पर मीन राशि में पंचग्रही योग बनेगा। साथ ही मेष राशि में बुधादित्य राजयोग, कुंभ राशि में शनि शश राजयोग का संयोग बनेगा। इन खास योगों में हनुमान जी की पूजा सफल होगी।

● हनुमान जन्मोत्सव शुभ मुहूर्त

चैत्र पूर्णिमा तिथि शुरू – 23 अप्रैल 2024, सुबह 03.25

चैत्र पूर्णिमा तिथि समाप्त – 24 अप्रैल 2024, सुबह 05.18

हनुमान पूजा का समय (सुबह) – सुबह 09.03 – दोपहर 01.58

पूजा का समय (रात) – रात 08.14 – रात 09.35

● कैसे प्रसन्न होंगे हनुमान जी

हनुमान जी शीघ्र प्रसन्न होने वाल देवता हैं। इनकी सामान्य तौर पर पूजा की जाती है। हनुमान जयंती पर बाबा को सिंदूरी चोला, बूंदी के लड्डू, पान का बीड़ा चढ़ाएं, चमेली के तेल का दीपक लगाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। कहते हैं, जहां हनुमान चालीसा, सुंदरकांड, रामायण पाठ होता है वहां बजरंगबली वायु रूप में उपस्थित होते हैं। इस दिन अगर गरीबों में अन्न बांटा जाए तो हनुमानजी प्रसन्न होते हैं।

■ पं. कुलदीप शास्त्री